भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †2282
सोमवार, 5 अगस्त, 2024/14 श्रावण, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

मीठे पानी की झीलों के आस-पास इको टूरिज्म

†2282. श्री नवसकनी के.:
श्री जी. सेल्वमः
श्री सी. एन. अन्नादुरईः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश, विशेषकर तमिलनाडु राज्य में मीठे पानी की झीलों के आस-पास इको टूरिज्म का निर्माण करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो वहां की झीलों के आस-पास ऐसे पर्यावरण अनुकूल स्थलों को विकसित करने के लिए सरकार के प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इको टूरिज्म के विकास के लिए प्रत्येक राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन को कितनी केन्द्रीय वित्तीय सहायता जारी की गई है;

(घ) उन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जिनके लिए ये निधियां प्रदान की गई थीं और उक्त परियोजनाओं पर राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा वास्तव में कितनी धनराशि व्यय की गई थी; और

(ङ) देश में इको टूरिज्म के विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ङ): इको पर्यटन स्थलों सहित गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत कई राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान की गई है। केंद्रीय वित्तीय सहायता, स्वीकार्य दिशा-निर्देशों के अनुसार और राज्य तथा संघ राज्यक्षेत्र की सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर प्रदान की जाती है। पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत थीमेटिक

परिपथों में से एक के रूप में इको परिपथ को चिह्नित किया है। इस परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। चालू कार्यकलापों के भाग के रूप में सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में इको पर्यटन का भी संवर्धन किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से भी इको पर्यटन का नियमित रूप से संवर्धन करता है।

देश में इको पर्यटन के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने इको पर्यटन विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है।

*****

अनुबंध

श्री नवसकनी के., श्री जी. सेल्वम और श्री सी. एन. अन्नादुरई द्वारा मीठे पानी की झीलों के आस-पास इको टूरिज्म के संबंध में दिनांक 05.08.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2282 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
1.	उत्तराखंड	(2015-16)	नए गंतव्य - जिला टिहरी के रूप में टिहरी झील और आसपास के क्षेत्र के विकास के लिए इको - टूरिज्म, एडवेंचर स्पोर्ट्स और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास	69.17	69.17
2.	तेलंगाना	(2015-16)	महबूबनगर जिले (सोमासिला, सिंगोतम, कदलीवनं, अक्कामहादेवी, ईगालापेंता, फराहबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलातीर्थम) में परिपथ का विकास	91.62	91.25
3.	केरल	(2015-16)	पथनमतिट्टा - गवी - वागामोन - तेक्कडी का विकास	64.08	64.08
4.	मिजोरम	(2016-17)	इको-एडवेंचर परिपथ आइजोल - रावपुइचिप - खवफाप - लेंगपुई - चटलांग- सकाव्रहमुइटुइतलांग - मुथी - बेराटलांग - तुइरियल एयरफील्ड - हमुइफांग का विकास	66.37	53.09
5.	मध्य प्रदेश	(2017-18)	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध - भेड़ा घाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.76	93.59
6.	झारखंड	(2018-19)	इको पर्यटन परिपथ: दलमा - बेतला राष्ट्रीय उद्यान - मिरचैया - नेतरहाट का विकास	30.44	28.04
			कुल	**415.44**	**399.22**

*****